647510 **BRS5HinF011B** **Seat No :_____**

B.R.S. Semester - 5 (*CBCS*) Examination
Oct/Nov - 2022 (NEW COURSE)
F-11 Hindi Literature & Language Correction(Foundation-11)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न.-१ निम्नांकित प्रश्नों के सूचनानूसार उत्तर दीजिए। (१४)

१. जो-भू-को धारण करता है- वह। एक शब्द दीजिए।
२. जल में जन्म लेने वाला।– एक शब्द दीजिए।
३. जिसके दो पैर है- शब्द समूह के लिए शब्द दीजिए।
४. कपडा शब्द के समानार्थी दीजिए।
५. किरण शब्द का समानार्थी दीजिए।
६. तद्भव शब्द की व्याख्या दीजिए।
७. देशज शब्द के दो उदाहरण दीजिए।
८. पत्रलेखन के गुणों में से एक गुण लिखें।
९. अनुवाद शब्द की व्याख्या दीजिए।
१०. सहानुभूती शब्द का शुद्ध रूप दीजिए।
११. साहित्य और जीवन का धोर संबंध है। वाक्य का शुद्ध रूप लिखें।
१२. विदेशी शब्द के दो उदाहरण लिखे।
१३. जो दूसरो का भला चाहने वाला- एक शब्द दीजिए।
१४. पथ का प्रदर्शन करने वाला- एक शब्द दीजिए।

प्रश्न.-२ हिन्दी शब्द समूहों की विस्तृत चर्चा, उदाहरण देकर करें। (१४)

अथवा

प्रश्न.-२ अनुवाद के विविध प्रकारों की चर्चा करें।

प्रश्न.-३ पत्र की परिभाषा देकर-अच्छें पत्र की विशेषताए लिखें. (१४)

अथवा

प्रश्न.-३ अनुवाद का अर्थ, और परिभाषा देकर अनुवाद की विस्तृत उपयोगिता लिखें।

प्रश्न.-४ निम्नांकित टिप्पणीयों में से किसी दो टिप्पणीयों की विस्तृत चर्चा करें। (१४)

१. हिन्दी शिक्षक के पद के लिए नौकरी हेतू आवेदन पत्र का नमूना तैयार करें।
२. व्यावसायिक (व्यापरी) पत्र का नमूना तैयार करें।
३. अखबार के संपादक को धर्म निरपेक्षता के के बारे में पत्र लिखें।
४. बैंक में चेक का भुगतान रोकने संबंधी पत्र व्यवहार करें।
५. अपनी सहेली/ मित्र को जन्मदिन पर वधाई पत्र लिखें।

प्रश्न.-५ निम्नांकित परिच्छेद का गुजराती भाषा में अनुवाद करें। (१४)

हमारे मन की थकावट और ताजगी के लिए हमारी मानसिक स्थिति सबसे अधिक जिम्मेदार है। निराशा हमारी सबसे बडी शत्रु है। शारीरिक योग्यता को नयह करने वाला इससे बढकर कोई दूसरा नहीं है। इसका जहरीला असर इतना भीषण होता है कि महिनों के लगाबार परिश्रम की थकावट भी उसका मुकावला नहीं कर सकती। इसके प्रतिकूल शांत निद्रा से जो ताजगी मिलती है। उससे भी इन्द्रियों में स्फूर्ति पैदा हो जाती है। प्रत्येक बुध्धिमान आदमी शारीरिक योग्यता प्राप्त करना चाहता है। चाहे वह व्यापार वाणिज्य में लगा हुआ हो पुस्तक लिखता हो, कारीगर हो, समाजसेवा में दतचित हो, प्रत्येक अवस्था में वह सदा अधिक काम करते रहने और आगे बढते रहने के लिए आतुर रहता है। जो कुछ वह करता है, उसकी सदा यही इच्छा रहती है की उसकी योग्यता बढे। इसकी उपलबधी का एकमात्र उपाय यह है कि प्रत्येक काम निपुणता के साथ शारीरिक योग्यता बढावे हुए किया जाय।

****